



Shiv



Sakshi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121580806

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
22/03/1992 :	जन्म तिथि	: 29/06/1996
रविवार :	दिन	: शनिवार
घंटे 13:50:00 :	जन्म समय	: 14:05:00 घंटे
घटी 19:32:10 :	जन्म समय(घटी)	: 22:21:28 घटी
India :	देश	: India
Basti :	स्थान	: Basti
26:48:00 उत्तर :	अक्षांश	: 26:48:00 उत्तर
82:44:00 पूर्व :	रेखांश	: 82:44:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे 00:00:56 :	स्थानिक संस्कार	: 00:00:56 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:01:08 :	सूर्योदय	: 05:08:24
18:11:09 :	सूर्यास्त	: 18:56:33
23:45:11 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:48:33

विंशोत्तरी
गुरु 10वर्ष 1मा 17दि
बुध
10/05/2021
10/05/2038

बुध	06/10/2023
केतु	02/10/2024
शुक्र	03/08/2027
सूर्य	09/06/2028
चन्द्र	08/11/2029
मंगल	05/11/2030
राहु	25/05/2033
गुरु	31/08/2035
शनि	10/05/2038

अंश

11:40:33
08:12:45
24:53:24
01:47:57
15:45:14
13:10:10
16:33:17
21:18:28
11:37:25
11:37:25
23:52:05
24:58:18
29:00:13

राशि

कर्क
मीन
तुला
कुंभ
मीन
सिंह
कुंभ
मक
धनु
मिथु
धनु
धनु
तुला

ग्रह

लग्न
सूर्य
चंद्र
मंगल
बुध
गुरु
शुक्र
शनि
राहु
केतु
हर्ष
नेप
प्लूटो

राशि

तुला
मिथु
वृश्चि
वृष
मिथु
धनु
वृष
मीन
कन्या
मीन
मक
मक
वृश्चि

अंश

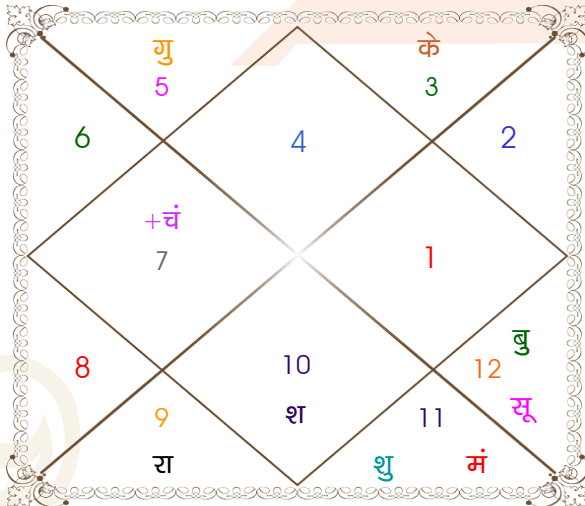
10:54:26
14:03:57
18:38:58
18:02:31
00:17:02
19:36:36
18:08:06
13:16:11
19:25:07
19:25:07
09:47:14
03:04:04
06:58:59

विंशोत्तरी

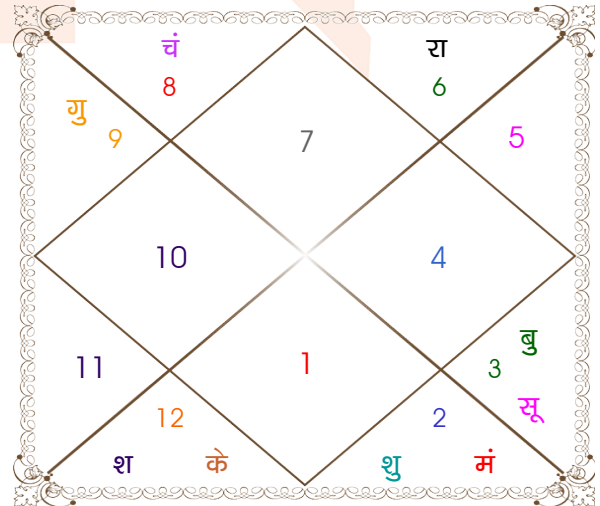
बुध 14वर्ष 5मा 20दि
शुक्र
19/12/2017
19/12/2037

शुक्र	19/04/2021
सूर्य	20/04/2022
चन्द्र	19/12/2023
मंगल	17/02/2025
राहु	18/02/2028
गुरु	19/10/2030
शनि	19/12/2033
बुध	19/10/2036
केतु	19/12/2037

लग्न-चलित



लग्न-चलित



अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	विप्र	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	कीटक	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	व्याघ्र	मृग	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	मंगल	5	3.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	राक्षस	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	वृश्चिक	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.50		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

Shiv का वर्ग सर्प है तथा रीप का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Shiv और रीप का मिलान शुभ है।

मंगलीक दोष मिलान

Shiv मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

अजे लगने व्यये चापे पाताले वृश्चिके स्थिते ।

वृषे जाये घटे रन्ध्रे भौम दोषो न विद्यते ॥

अर्थात् मेष राशि लग्न में, द्वादश में धनुराशि, चतुर्थ में वृश्चिक राशि, सप्तम में वृष राशि तथा अष्टम में कुम्भ राशि में मंगल स्थित हो तो मंगल दोष नहीं होता है। क्योंकि मंगल Shiv कि कुण्डली में अष्टम् भाव में कुम्भ राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

रीप मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि शनि रीप कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः ।

त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत् ।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Shiv कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Shiv तथौीप में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम है।

